

355

जिला सैक्टर योजना 2011-12
आयोजनागत पक्ष
संख्या: 1363 / XV-1/1(4)/11

प्रेषक,

अरुण कुमार ढौंडियाल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,
नैनीताल, अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चम्पावत, उधमसिंहनगर,
देहरादून, पौड़ी, टिहरी, चमोली, रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी एवं हरिद्वार।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 22 अक्टूबर, 2011

विषय: चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में आय-व्ययक में प्रावधानित धनराशि के सापेक्ष अनुदान संख्या-30 एवं 31 के अन्तर्गत जिला सैक्टर योजनाओं में धनराशि अवमुक्त करने विषयक।

महोदय,

उपरोक्त विषयक निदेशक, पशुपालन के पत्र संख्या-2430/नि०-5/एक(19)/आय-व्यय/2011-12 दिनांक 15 अक्टूबर, 2011 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 में पशुपालन विभाग हेतु अनुदान संख्या-30 एवं अनुदान संख्या-31 के अन्तर्गत जिला सैक्टर योजनाओं हेतु अनुपूरक मांग के माध्यम से प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष संलग्न विवरण के अनुसार योजनावार, जनपदवार, आहरण वितरण अधिकारीवार, मदवार कुल धनराशि ₹ 53.28 लाख (₹ तीरपन लाख अट्ठाईस हजार मात्र) की वित्तीय स्वीकृति व्यय हेतु संलग्न विवरणानुसार आपके निर्वर्तन पर निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रादिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (1) संलग्न विवरणानुसार निर्गत स्वीकृति को तत्काल मुख्य पशुचिकित्साधिकारी के नियंत्रण में व्यय हेतु प्रादिष्ट करना सुनिश्चित करें तथा धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहाँ कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाये तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मितव्ययता संबंधी निर्देशों का पालन करते हुए स्वीकृति परिव्यय के अनुरूप व्यय किया जायेगा।
- (2) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम०-13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
- (3) इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय वित्त हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों, क्रय संबंधी शासनादेशों का पालन कर लिया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।
- (4) उक्त धनराशि का व्यय जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित कार्यों हेतु अनुमोदित लागत सीमा में निर्धारित/आवंटित परिव्यय के अन्तर्गत ही किया जायेगा।

2. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या-209/XXVII(1)/2011 दिनांक 31 मार्च, 2011 के क्रम में जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न-जनपदवार फांट

भवदीय,

(अरुण कुमार ढौंडियाल)
सचिव

संख्या: 1363 (1) / XV-1/2011 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास शाखा को प्रमुख सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल नैनीताल, उत्तराखण्ड।
5. निदेशक, पशुपालन, उत्तराखण्ड, देहरादून को उनके उक्तांकित पत्र के सन्दर्भ में सूचनार्थ प्रेषित।
6. समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड/उप कोषाधिकारी, चकराता, रानीखेत।
7. समस्त मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, उत्तराखण्ड।
8. बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
9. वित्त अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग।
10. राज्य योजना आयोग, उत्तराखण्ड।
11. निदेशक, एन०आई०सी० को वेबसाइट पर उपलब्ध कराने हेतु।
12. मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
13. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,
(जी०बी० ओली)
संयुक्त सचिव